सलूम्बर में दलित शिक्षक और सीकर में दलित छात्र की हत्या का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

कांग्रेस विधायकों ने वैल में उतरकर करीब साढ़े 3 घंटे तक हंगामा और नारेबाजी की, हालात इतने बिगड़े कि सदन की कार्यवाही भी 3 बार स्थगित करनी पड़ी

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। सलूम्बर में दलित शिक्षक और सीकर में दलित छात्र की हत्या का मुद्दा सोमवार को विधानसभा में गूंजा। कांग्रेस विधायकों ने वैल में उतरकर करीब साढ़े 3 घंटे तक हंगामा और नारेबाजी की। हालात इतने बिगड़े की सदन की कार्यवाही 3 बार स्थगित करनी पड़ी। मामला बढ़ता देखकर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने व्यवस्था दी कि, ''राज्य सरकार, मंगलवार को इन मुद्दों पर शून्यकाल के बाद जवाब देगी। इसके बाद हंगामा शांत हुआ और सदन की कार्यवाही सुचारु चली।''

दरअसल शून्यकाल में विधायक थावरचंद ने स्थगन प्रस्ताव के तहत, संलबूर में दलित शिक्षक की हत्या का मामला उठाया और कहा कि इस मामले में पीड़ित परिवार को मात्र 21 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया हैं, जो कि बहुत कम है। थावरचंद ने कहा कि उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड के बाद राज्य सरकार ने उसके परिजनों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा एवं एक आश्रित को नौकरी दी थी, जबकि इस मामले में सरकार ने भेदभाव किया है। इस मामले में भी पीड़ित परिवार को 1 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाये।

- **विपक्ष का कहना था कि, ''उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड के बाद उसके परिजनों को 1 करोड़ रु. मुआवजा और नौकरी दी गई थी, जबकि इस प्रकरण में पीड़ित परिवार को मात्र 21 लाख रु. दिये गए हैं, जो कि भेदभाव है।''**
- **सदन में यह प्रकरण बढ़ता देखकर स्पीकर देवनानी ने व्यवस्था दी कि, ''राज्य सरकार, मंगलवार को इन मुद्दों पर शून्यकाल के बाद जवाब देगी। इसके बाद हंगामा शांत हुआ और सदन की कार्यवाही सुचारु चली।''**

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित विपक्ष के सदस्य भी खड़े हो गए और बोलने लगे, इससे सदन में शोरगुल हुआ। विपक्ष के सदस्य इस मामले को लेकर वेल की तरफ बढने लगे और सदन में हंगामा होने लगा। इस दौरान स्थगन प्रस्ताव के जरिए विधायक पितराम सिंह काला ने सीकर में दलित छात्र की हत्या का मामला उठाया। इसके बाद विपक्ष के सभी सदस्य, दलितों पर अत्याचार के मुद्दे को लेकर सदन की वैल में आ गए और नारेबाजी करने लगे, जिससे सदन में हंगामा बढ़ गया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हंगामा कर रहे सदस्यों को टोका लेकिन विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते रहे। देवनानी ने हंगामा कर रहे विपक्ष के सदस्यों से कहा कि संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल जवाब दे रहे हैं, सभी सदस्य अपनी जगह पर जाये लेकिन विपक्ष के सदस्य वैल में डटे रहे और हंगामा करते रहे। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष के सदस्य जवाब सुनना नहीं चाहते हैं, ये सदन में हंगामा मचाना चाहे रहे है।

इस दौरान जोगाराम पटेल जवाब देने के लिए खड़े हुए लेकिन कांग्रेस विधायकों के हंगामे के कारण वापस बैठ गए। हंगामा कम नहीं होता देख जोगाराम पटेल फिर उठे और उन्होंने कहा कि सीकर में छात्र की हत्या के मामले की जांच कराकर 1-2 दिन में इस मामले की पूरी रिपोर्ट सदन को बता दी जायेगी। इसके बाद भी विपक्ष का हंगामा चलता रहा। इसी बीच पर्ची के माध्यम से विधायक गणेशराम बंसल, आदूराम मेघवाल, रामसहाय वर्मा और हरलाल सिंह सहारण ने अपनी बात रखी, लेकिन हंगामे के कारण उनकी कोई भी बात स्पष्ट रुप से सुनाई नहीं दी।

दलित अत्याचार का यह हंगामा बढ़ता देखकर स्पीकर देवनानी ने सदन की कार्यवाही 12:45 बजे (भोजन अवकाश से 15 मिनट पहले) ही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 2 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही फिर शुरु होने लगी तो कांग्रेस विधायक वैल में हंगामा करते रहे, इसके चलते सभापति संदीप शर्मा ने 2:06 बजे सदन की कार्यवाही 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी। वापस सदन शुरू होने के बाद भी गतिरोध बरकरार रहा तो पुन: 30 मिनट के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

बाद में दोपहर 3 बजकर 6 मिनट पर सदन की कार्यवाही को शुरू करवाते हुए स्पीकर वासुदेव देवनानी ने व्यवस्था दी कि, राज्य सरकार इस प्रकरण पर मंगलवार को शून्यकाल के बाद जवाब देगी। इसके बाद सदन में हंगामा शांत हुआ और कार्यवाही सुचारु चली।

सार-समाचार

डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियम लीग संपन्न

जयपुर (कासं)। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में 28 जुलाई को डॉक्टर्स की 3 दिवसीय गायन प्रतियोगिता एस.बी.आई. डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियम लीग सीज़न- 3 ग्रैंड फिनाले के साथ संपन्न हुई। प्रतियोगिता के चैयरमेन डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि विजेताओं को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसबीआई बैंक के डीजीएम व सीडीओ कल्याण गजवेली, गेस्ट ऑफ़ ऑनर एमिटी यूनिवर्सिटी के वीसी डॉ. अमित जैन व बॉलीवुड सिंगर रविंद्र उपाध्याय ने ट्रॉफ़ी प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर दर्शकों की मांग पर उपाध्याय ने अपनी प्रस्तुति दी। लीग के आयोजन सचिव डॉ. अनिल यादव ने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों के 64 गायकों ने 3 दिनों तक प्रतिस्पर्धा करते हुए एक से बढ़कर एक दमदार प्रस्तुतियां दीं। लीग संयोजक डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि फाइनल मुकाबले में प्रथम स्थान पाकर टीम आँगन मेडिनोवा ने बाज़ी मारी। वहीं रोमांचक मुकाबले के बाद टीम निविक हॉस्पिटल व टीम सीतादेवी हॉस्पिटल ने समान अंक पाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। टीम रोहिन रोकर्स ने तीसरे स्थान पर कब्ज़ा जमाया। प्रतियोगता के चीफ कॉर्डिनेटर डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि, इसी दिन सम्पन्न हुए 40 से 55 वर्ष आयु वर्ग के युगल मुकाबलों में प्रथम स्थान, डॉ महेश बागड़ी व डॉ मनीष शर्मा ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया, डॉ राकेश शर्मा द्वितीय व डॉ प्रियंका रहारिया तृतीय स्थान पर रहे। लीग कॉर्डिनेटर डॉ. रवींद्र सिसोदिया ने बताया कि 40 वर्ष से कम आयु वर्ग के मुकाबलों में भी ज़बरदस्त टक्कर देखने को मिली, जहाँ टाई मैच में अंजलि जुनेजा व भरत कडेल को प्रथम स्थान मिला, डॉ. विदिशा को द्वितीय व डॉ सिमी को तृतीय स्थान मिला। कॉर्डिनेटर डॉ. हर्षुल टाक ने प्रतियोगिता के ज़्यूरी सदस्यों उमा विजय, दीपक माथुर,पंडित हेमन्त भट्ट, डॉ. माया रानी टाक व भरत पटेल को तीन दिनों तक लगातार लगभग 150 प्रस्तुतियों पर निर्णय देने के कठिन कार्य के लिए धन्यवाद दिया।

हॉफ मैराथन में विष्णु टांक को अवार्ड

जयपुर। 'रन इंडिया' हॉफ मैराथन में अव्व्ल रहे जयपुर के रिकॉर्ड होल्डर रनर विष्णु टांक को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया है। चैपियन फिटनेस की ओर से यह दौड़ वर्चअल रखी गई थी। इसके तहत प्रत्येक धावक को, अपने राज्य व जिले में ही 21 किलोमीटर की दौड़ पूरी करनी थी। विष्णु टांक ने 2 घंटे 40 मिनट में जयपुर में दौड़ पूरी की। जयपुर शहर से अन्य कई रनर्स भी इसमें शामिल हुए। अवार्ड मिलने पर विष्णु टांक ने कहा कि भागदौड़ की लाइफ में अपने स्वास्थ के लिए समय निकालना कोई बड़ी बात नहीं है। इस मैराथन का उद्देश्य आमजन को भी उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। विष्णु टांक ने कहा कि हर इंसान के लिए सम्मान होना,ख अपने आप में बेहद बड़ी बात है। इससे वह अपने को काफी अच्छा महसूस करता है और अपना अगला लक्ष्य और सही से पूरा करता है।

डॉ. स्नेहलता शर्मा ने जीता चुनाव

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में सोमवार को हुए सिंडीकेट सदस्य चुनाव में साहित्य विभाग की सहायक आचार्या डॉ. स्नेहलता शर्मा विजयी रही। चुनाव अधिकारी कुलसचिव प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि मतदान में 18 शिक्षकों ने भाग लिया, जिनमें 10 वोट डॉ. स्नेहलता शर्मा को मिले। उन्होंने 2 मतों के अंतराल से शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सिंह पालावत को पराजित किया। चारण ने बताया कि संस्कृत विश्वविद्यालय में 24 वर्षों में पहली बार सिंडीकेट में महिला शिक्षक प्रतिनिधि सदस्य चुनी गई है।

खुले में मांस बेचने पर 5 दुकान सीज

जयपुर। हैरिटेज निगम की पशु प्रबंधन शाखा ने सोमवार को बिना लाइसेंस व खुले में मीट बेचने वाली दुकानों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 5 दुकानें सीज की है। हैरिटेज निगम के पशु प्रबंधन शाखा उपायुक्त राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि हैरिटेज निगम की ओर से बिना लाइसेंस और खुले में मांस बेचने पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को निगम टीम ने गुर्जर की थड़ी, न्यू सांगानेर रोड पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई दुकानों पर खुले में मीट बेचा जा रहा था। जिस पर कार्रवाई करते हुए मीट की पांच अवैध दुकानों को सीज किया। साथ ही 15 हजार रुपए का चालान कर 70 किलो अवैध मीट को जब्त कर नष्ट कराया गया। पशु प्रबंधन उपायुक्त राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि शाखा की ओर से लगातार कार्रवाई की जाएगी। नियमों के विपरीत दुकान चलाने पर आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोचिंग संस्थानों की रिपोर्ट मांगी

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने सभी थानाधिकारियों को शहर में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों की बिल्डिंग व बैसमेंट में जल भराव एवं अग्नि संबंधी आपदा से संबंधित नियमानुसार सुरक्षा प्रमाण पत्र की जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए है। इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, कानून-व्यवस्था कुंवर राष्ट्रदीप ने सभी थानाधिकारियों को निर्देश जारी कर दो दिन में रिपोर्ट सौंपने को कहा है। उन्होंने कहा कि जयपुर में रहने वाल सभी अभिभावक एवं छात्र व छात्राएँ भी अपने कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा संबंधित समस्या से जयपुर पुलिस को सूचना देकर अवगत करवा सकते है। इसके लिए पुलिस नियंत्रण कक्ष, जयपुर के टोल फ्री नम्बर 100, 112 पर कॉल कर सकते है।

आई.एन.ए. सोलर का कॉर्पोरेट ऑफिस जयपुर में शुरू हुआ

जयपुर। क्लीन व ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने में भारत की प्रतिष्ठित सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ''इन्सोलेशन एनर्जी लिमिटेड'' (आई.एन.ए. सोलर) ने 28 जुलाई 2024 को न्यू आतिश मार्केट एक्सटेंशन स्थित अपने कॉर्पोरेट ऑफिस ''फ्लुइडकॉन हाउस'' का उद्घाटन किया।

दफ्तर का उद्घाटन जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, आई.एन.ए. सोलर के चेयरमैन मनीष गुप्ता व एम.डी. विकास जैन ने किया। कंपनी चेयरमैन मनीष गुप्ता और प्रबंध निदेशक विकास जैन ने बताया कि अब जयपुर स्थित इस कार्यालय पर कंपनी के सभी डिपार्टमेंट के 100 से अधिक कर्मचारी एक साथ बैठ सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह नया कार्यालय हमारे व्यापार के विस्तार का हिस्सा है और इसका उद्देश्य हमारे ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता की सेवाएं प्रदान करना और हमारे कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं और सेवाएं प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि आई.एन.ए. सोलर अपने उत्कृष्ट उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से सोलर इंडस्ट्री में एक नई ऊंचाई स्थापित कर रही है। आईएनए सोलर पैनल, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मानकों आई.ई.सी, ए.एल.एम.एम. एंड बी.आई.एस. द्वारा मान्यता प्राप्त है। कंपनी देश की लगभग सभी सौर परियोजनाओं जैसे कि जल जीवन मिशन, कुसुम योजना, घरेलू रूफटॉप, बीएसएनएल इत्यादि में अपनी भागीदारी निभा कर मेक इन इंडिया मिशन को प्रमोट कर रही है। मनीष गुप्ता ने बताया कि आईएनए सोलर बीएसई-एसएमई बोर्ड पर सूचीबद्ध है। कंपनी की वर्तमान में 2 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स जयपुर में स्थित है जिनकी संयुक्त उत्पादन क्षमता 950 मेगावाट है, जो कि आगामी वर्षों में बढ़कर 4000 मेगावाट तक हो जायेगी। सोलर सेल 1200 मेगावाट तथा एल्युमीनियम फ्रेम 12 हजार मैट्रिक टन वार्षिक क्षमता की यूनिट लगाने की योजना है।

सरकारी योजनाओं व कैशलेस इलाज में फ़र्ज़ीवाड़े का आरोप

जयपुर। चिकित्सक की अनुपस्थिति में चिकित्सक के डॉक्यूमेंट विभाग में लगाकर सरकारी योजनाओं में मरीज़ों के इलाज के नाम पर फर्जीवाड़ा कर खिलवाड़ किया जा रहा है।

प्राईवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी के प्रेसिडेंट डॉ विजय कपूर ने बताया कि यह अत्यंत गंभीर मामला है। ये कैसे और क्यों हो रहा है और कौन कर रहा है, यह जांच का विषय है। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रकरण उनके संज्ञान में लाए गए हैं, जो ज़्यादातर अप्रशिक्षित या झोलाछाप व्यक्तियों द्वारा किए जा रहे हैं। डॉ. कपूर ने कहा कि सरकार की नाक के नीचे खुलेआम धड़ल्ले से सरकारी योजनाओं में ये गोरखधंधा चल रहा है। ऐसे में कैसे कोई नैतिकता से काम करने वाले चिकित्सक, अस्पताल सम्मान जनक और सही तरीक़े से इन योजनाओं में काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारी जानते हुए भी ऐसे प्रकरणों में कार्रवाई क्यों नहीं करते, यह समझ से परे है। डॉ. कपूर ने आरोप लगाया कि भ्रष्ट अधिकारियों, डॉक्टरों, अस्पतालों, दलालों, बीमा कंपनी की मिली भगत से ही सरकारी योजनाओं में यह सब गड़बड़ी संभव है। कपूर ने कहा कि इस मामले में वो इसमें संलिप्त उन कतिपय अस्पतालों व चिकित्सकों को भी कठघरे में खड़ा कर रहे हैं, जिनकी वजह से संपूर्ण चिकित्सा पेशा बदनाम होता है।

पांच जिलों में चांदीपुरा वायरस के लिए अलर्ट

- **गुजरात से सटे जिलों के सभी सीएमएचओ को सर्वे करवाने के निर्देश**
- **जयपुर में चार सैंपल की रिपोर्ट नेगेटिव**

जयपुर। गुजरात से सटे जिलों में इन दिनों चांदीपुरा वायरस का खतरा बढ़ गया है। पिछले कुछ दिनों से डूंगरपुर, उदयपुर के एरिया में पॉजिटिव केस मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने 5 जिलों के सीएमएचओ को अलर्ट भेजकर संदिग्ध एरिया में मॉनिटरिंग व सर्वे करवाने के निर्देश दिए हैं।

वहीं, एसएमएस मेडिकल कॉलेज में भी इसकी जांच शुरू हो गई है। जयपुर में अब तक इसके चार संदिग्ध मरीजों की जांच की जा चुकी है, लेकिन अच्छी बात ये है कि इन सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। स्वास्थ्य विभाग के निदेशक डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि इस महीने चांदीपुरा वायरस के पॉजिटिव केस मिलने के बाद से अब तक 13 संदिग्ध मरीजों के सैंपल सीमावर्ती जिलों से पुणे भिजवाएं है। जिनमें से 1 की रिपोर्ट रविवार को पॉजिटिव आई थी। पॉजिटिव आया 3 साल का ये बच्चा अभी डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल में भर्ती है। उसकी तबीयत अब ठीक है। वहीं, 8 संदिग्धों की रिपोर्ट नेगेटिव आ चुकी है। शेष की रिपोर्ट आना अभी बाकी है। डॉ. शर्मा ने बताया कि डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर, जालोर, सिरोही जिलों के सीएमएचओ को विशेष रूप से एक्टिव रहने के निर्देश दिए हैं। इन जिलों में ही सबसे ज्यादा इस वायरस के फैलने की आशंका है। जयपुर एसएमएस मेडिकल कॉलेज में पीडियाट्रिक डिपार्टमेंट के एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर प्रियांशु माथुर ने बताया कि ये वायरस सबसे ज्यादा मच्छर और मच्छी के काटने से फैलता है। अभी इसका खतरा फिलहाल गुजरात से लगते जिलों में है। इस बीमारी में बच्चे के एकदम से तेज बुखार तो आता ही है साथ में उल्टी-दस्त की शिकायत रहती है। इसके अलावा बच्चों में अचानक बेहोश होने और दौरे पड़ने की भी स्थिति आती है। डॉ. माथुर ने बताया कि इस वायरस की मोर्टलिटी रेट भी 20 से 40 फीसदी के बीच है, जो बहुत ज्यादा है। जयपुर में इस तरह के लक्षण वाले बच्चों जो जे.के. लोन हॉस्पिटल में आ रहे है। उनकी डॉक्टर मॉनिटरिंग कर रहे है। ऐसे संदिग्ध मरीजों के सैंपल लेकर उनकी टेस्टिंग भी करवा रहे है। राजधानी जयपुर में इस तरह के चार संदिग्ध मरीजों के सैंपल जांच के लिए एसएमएस मेडिकल कॉलेज आ चुके है। इन सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट की सीनियर प्रोफेसर डॉ. भारती मल्होत्रा ने बताया कि ये सैंपल जयपुर के जे. के. लोन से आए थे।

खिलाड़ी लाल बैरवा ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया

जयपुर। लोकसभा चुनाव के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा का दामन थामा था। हजारों की संख्या में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए नेता और कार्यकर्ताओं का अब 4 महीने के भीतर ही भाजपा से मोहभंग होने लगा है। कई कार्यकर्ताओं के बाद अब बड़े नेताओं ने भी भाजपा से अपना नाता तोड़ लिया है।

इसी कड़ी में पूर्व सांसद खिलाड़ी लाल बैरवा ने भाजपा की प्राथमिक सदस्य से इस्तीफा दे दिया है। बैरवा ने अपना इस्तीफा नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के नाम पत्र लिखकर दिया, जिसमें उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं के लगातार भाजपा से दूरी का हवाला देते हुए अपना इस्तीफा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा छोड़ भाजपा की विचारधारा से नहीं जुड़ पा रहा हूं। खिलाड़ी लाल बैरवा ने अपने इस्तीफे में भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री (कांग्रेस) की ओर से अपने चौथी बार मुख्यमंत्री बनने की लालसा में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को कांग्रेस से बाहर करने का विफल प्रयास किया। सचिन पायलट के गुट के लोगों के फोन टेप करवाए, जिसका लोकेश शर्मा (ओ.एस.डी., पूर्व मुख्यमंत्री) सविस्तार बता चुके है। इनमें मेरा भी फोन टेप करवाया गया, जो कि जांच का विषय है। योजनाबद्ध तरीके के साथ मुझे भी पार्टी से निकाला गया, कुछ खास चापलूसों की सिफारिश पर राजस्थान के इतने टुकड़े-टुकड़े कर दिए। बैरवा ने कहा कि पंचायत समिति स्तर के क्षेत्रफल वालों को जिले बना दिए, समाज के टुकड़े कर इतने सामाजिक बोर्ड बना दिए, जिनका स्वयं को भी पता नहीं। 18 फीसदी अनुसूचित जाति के लोगों के लिए आयोग को वैधानिक दर्जे की बात की तो क्या गुनाह कर दिया। पूर्व मुख्यमंत्री के इस तरह के फैसलों की वजह से कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी मैं भाजपा की विचारधारा से खुद को जोड़ नहीं पा रहा। मैंने 33 वर्ष कांग्रेस में सक्रिय राजनीति की है, यह मेरे खून में है।

जेल में बिजली का काम सिखाने वाले ने की थी सिम की सप्लाई

- **पुलिस ने इलेक्ट्रिशन राजेंद्र महावर को गिरफ्तार किया**
- **मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी देने वाले कैदी को हिरासत में लेकर जांच में जुटी पुलिस टीम**

दौसा/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी के मामले में दौसा पुलिस ने जेल के अंदर सिम सप्लाई करने वाले इलेक्ट्रिशन राजेंद्र महावर को गिरफ्तार किया है। साथ ही सीएम को धमकी देने वाले कैदी नीमा से पूछताछ से पता चला है कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और वह अवसाद ग्रस्त है। संभवतया वह जो दवा ले रहा है, उसकी ओवरडोज के कारण उसको होश नहीं रहा और उसने मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी का फोन कर दिया। पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ करने में जुटी है।

इधर दौसा पुलिस ने गिरफ्तार किया सिम सफ्लायर आरोपी राजेंद्र महावर बिजली का काम करता था। वह जेल में कैदियों को बिजली का काम भी सिखाता है। जेल में उसकी आवाजाही रहती थी। इसी का फायदा उठाकर जेल में बंद पोक्सो एक्ट के आरोपी रिंकू ने अपने परिजनों का राजेंद्र से संपर्क कराया। उसके बाद राजेंद्र को रिंकू के परिजनों ने सिम उपलब्ध कराई। सिम जेल के अंदर भिजवाने के 500 रूपए भी दिए। जैसे ही जेल में सिम पहुंची तो आरोपी रिंकू अपनी परिजनों से बात करने लगा।

शनिवार रात को जेल में रिंकू के दोस्त दार्जिलिंग निवासी नीमा ने इस सिम का उपयोग किया और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी देने के लिए जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर दिया। फिलहाल सीएम को धमकी के मामले में जयपुर के विधायकपुरी थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। वहीं जेल में आरोपी नीमा के पास मिली सिम के मामले में पापड़दा थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। सर्च अभियान के दौरान नौ अन्य मोबाइल मिलने के मामले में भी एक और एफआईआर पापडदा थाने में दर्ज हुई है। पुलिस सभी मोबाइलों में मौजूद सिम के धारकों की धरपकड़ के प्रयास में जुटी हुई है।

पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि जेल में सिम कौन सप्लाई कर रहा है। दौसा पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस मोबाइल और सिम सप्लाई मामले में जेल के कार्मिक भी शामिल थे या फिर नहीं। इधर पूरे मामले की जेल प्रशासन के द्वारा भी जांच कराई जा रही है। प्राथमिक जांच के आधार पर दौसा के विशिष्ट केंद्रीय कारागृह श्यालावास के कार्यवाहक अधीक्षक जेलर और जेल प्रहरी को सस्पेंड कर दिया गया है। वही पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाई जा रही है।

सरकार ने राजस्थान के हक और अधिकार दिल्ली में गिरवी रख दिए : नेता प्रतिपक्ष

जयपुर। विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने कांग्रेस सरकार के बजट को नया कवर चढ़ाकर पेश किया है। उन्होंने बजट को निराशाजनक बताते हुए कहा कि, सरकार ने राजस्थान के हक और अधिकार दिल्ली में गिरवी रख दिए हैं।

टीकाराम जूली ने कहा कि हमारी सरकार जरूरतमंद परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर दे रही थी। आपने 450 रुपए कर दिए। आपने जनवरी से आज तक इंदिरा रसोई का अनुदान नहीं दिया। हमने बजट में जयपुर मेट्रो फेज-2 की घोषणा की थी। आपने भी वापस यही घोषणा कर दी। ईआरसीपी के लिए हमने 13,500 करोड़ की घोषणा की थी। आपने उसी घोषणा को टुकड़ों में कर दी। नेता प्रतिपक्ष टीमाराम जूली ने कहा कि केंद्रीय बजट से बहुत उम्मीदें थी दो बार राजस्थान ने 25 सांसद भाजपा को दिए इस बार भी 14 सांसद दिए लेकिन केंद्रीय बजट में कुछ नहीं मिला। सरकार बचाने के लिए केंद्र का सारा बजट आंध्र और बिहार ले गए। उन्होंने कहा, डॉक्र किरोडी लाल मीणा ने मंत्री ने इस्तीफा दे दिया, लेकिन वह मंजूर नहीं हुआ। किरोड़ीजी अधिकारी के पास गए। क्या प्रोटोकॉल रहा, सरकार जवाब दे। वहां किरोड़ीलाल मीणा नहीं बल्कि पूरी सरकार गई है। जूली ने कहा कि पीएम ने राजस्थान जैसे शांत प्रदेश की तुलना जलते हुए मध्यप्रदेश से की थी। आज की वित्त मंत्री ने तब दिल्ली में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना दिया था। आज प्रदेश में महिला अपराध और दलित उत्पीड़न के मामले बढ़े हैं। वित्त मंत्री कब बोलेंगी? सांभरलेक थाने में पुलिस ने कावड़ियो को पीटा, सरकार ने एक कांस्टेबल को हटाकर इतिश्री कर ली गई। जिम्मेदार सभी अफसरों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

छात्र नेता को जबरन अस्पताल पहुंचाया

जयपुर। विश्वविद्यालय प्रशासन पर छात्र संघ चुनाव शुल्क और कॉशन मनी नहीं लौटा कर करोड़ों का घोटाला करने का आरोप लगाते हुए, इस वर्ष छात्र संघ चुनाव कराए जाने की मांग करने वाले छात्र नेता शुभम रेवाड़ का सोमवार को छठे दिन भी अनशन जारी रहा।

हालांकि, अब उनकी तबियत लगातार बिगड़ती जा रही है। शुभम के कीटोन लेवल बढ़ने और ब्लड प्रेशर लो होने के बावजूद उन्होंने अपना अनशन जारी रखा हुआ है। हालांकि, पुलिस प्रशासन ने सोमवार शाम उन्हें विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से उठाते हुए एसएमएस हॉस्पिटल में शिफ्ट किया।

राजमेस के चिकित्सक शिक्षक काम पर लौटे

- **चिकित्सा मंत्री की संवेदनशील पहल के बाद मांगों के निस्तारण के लिए कमेटी गठित, 1 माह में रिपोर्ट देगी**
- **राज्य सरकार की ओर से सकारात्मक कार्यवाही पर चिकित्सक शिक्षकों ने आभार व्यक्त किया**

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की संवेदनशील पहल के बाद राजमेस के अधीन संचालित 17 मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सक शिक्षक सोमवार शाम को वापस काम पर लौट आए। ये चिकित्सक शिक्षक विभिन्न मांगों को लेकर करीब एक सप्ताह से सामूहिक अवकाश पर चल रहे थे। चिकित्सा मंत्री ने इन चिकित्सक शिक्षकों की मागों पर सकारात्मक एवं सहानुभूतिपूर्वक निर्णय लेने के लिए निदेशक, राजमेस की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया है। कमेटी में राजमेस के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन), वित्तीय सलाहकार, अतिरिक्त निदेशक (अकादमिक) तथा राजस्थान मेडिकल कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी के 4 नामित सदस्य शामिल होंगे।

चिकित्सक शिक्षकों ने मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही के बाद काम पर वापस लौटने का निर्णय लिया। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह एवं चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान का आभार व्यक्त किया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि वित्त विभाग द्वारा राजमेस के अधीन संचालित मेडिकल कॉलेजों में 1 अगस्त, 2024 या इसके बाद नियुक्त चिकित्सक शिक्षकों को राजस्थान चिकित्सा शिक्षा नियम, 1962 के तहत नियुक्त चिकित्सक शिक्षकों के समान वेतन-भत्ते, डीएसीपी योजना अनुसार पदोन्नित एवं समय-समय पर निर्धारित वेतनमान दिया जाना प्रक्रियाधीन है। वर्तमान में कार्यरत चिकित्सक शिक्षकों पर भी यही नियम लागू करने के संबंध में उचित निर्णय लेने के लिए इस कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी वर्तमान में कार्यरत चिकित्सक शिक्षकों की मांगों के निस्तारण के संबंध में अपनी रिपोर्ट प्रशासनिक विभाग के माध्यम से वित्त विभाग को एक माह में प्रस्तुत करेगी। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त ने बताया कि सामूहिक अवकाश के दौरान चिकित्सक शिक्षकों द्वारा लिए गए अवकाशों का आकस्मिक अवकाश, डे ऑफ या राजकीय अवकाशों में समायोजन किया जाएगा। इसके लिए संबंधित चिकित्सक शिक्षक को आवेदन करना होगा।